भारत में हस्टिरेक्टोमी का प्रचलन

स्रोत: द हिंदू

राष्ट्रीय परविार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS)-4 के आँकड़ों से पता चलता है कि भारत में **निम्न आय वाले कृषि श्रमिकों** और **संपन्न महिलाओं में हस्टिरेक्टॉमी (गर्भाशय को शल्य चकित्सा द्वारा हटाना) की दर** अलग-अलग कारणों से अधिक है।

हाई हस्टिरेक्टॉमी के कारण:

- **कृषि श्रमिकों के लिये हानिकारक कारकों** में खराब स्वच्छता, मासिक धर्म संबंधी निषिद्धता, स्त्री रोग संबंधी देखभाल में विलंब और शारीरिक श्रम शामिल हैं।
    - **उदाहरण:** महाराष्ट्र के बीड ज़िले में महिला गन्ना श्रमिकों में असामान्य रूप से **उच्च संख्या में गर्भाशय-विच्छेदन की घटनाएँ सामने आई हैं।**
- **धनी महिलाएँ प्रायः बेहतर सामर्थ्य और पहुँच** के कारण इस प्रक्रिया का विकल्प चुनती हैं।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना (RSBY) जैसी योजनाओं के अंतर्गत **वित्तीय प्रोत्साहन के** कारण कभी-कभी अनावश्यक सर्जरी की नौबत आ जाती है।

हस्टिरेक्टॉमी:

- **परिचय:**
    - हस्टिरेक्टॉमी **(गर्भाशय को हटाना) एक शल्य प्रक्रिया है जिसमें महिला के गर्भाशय को निकाल दिया जाता है।**
    - यह प्रक्रिया स्त्री रोग संबंधी स्थितियों जैसे **फाइब्रॉएड, एंडोमेट्रियोसिस, असामान्य रक्तस्राव** और **श्रोणि सूजन संबंधी रोगों के लिये की जाती है**, जब अन्य उपचार विफल हो जाते हैं।
        - इसका उपयोग कैंसर के **उपचार** और **गंभीर, अनुत्तरदायी पैल्विक दर्द के लिये भी किया जाता है।**
- **भारत में प्रचलन:**
    - NFHS-5 राष्ट्रीय रिपोर्ट के आँकड़ों से पता चलता है कि **भारत में 15-49 वर्ष की आयु की 3% महिलाएँ** हस्टिरेक्टॉमी करवा चुकी हैं।
        - **उच्चतम प्रसार:** आंध्रप्रदेश (9%) और तेलंगाना (8%)
        - **न्यूनतम प्रसार:** सिक्किम (0.8%) और मेघालय (0.7%)।
    - दक्षिणी क्षेत्र में इसका **प्रचलन सबसे अधिक (4.2%) है,** इसके बाद पूर्वी क्षेत्र (3.8%) है, जबकि पूर्वोत्तर में यह सबसे कम (1.2%) है।

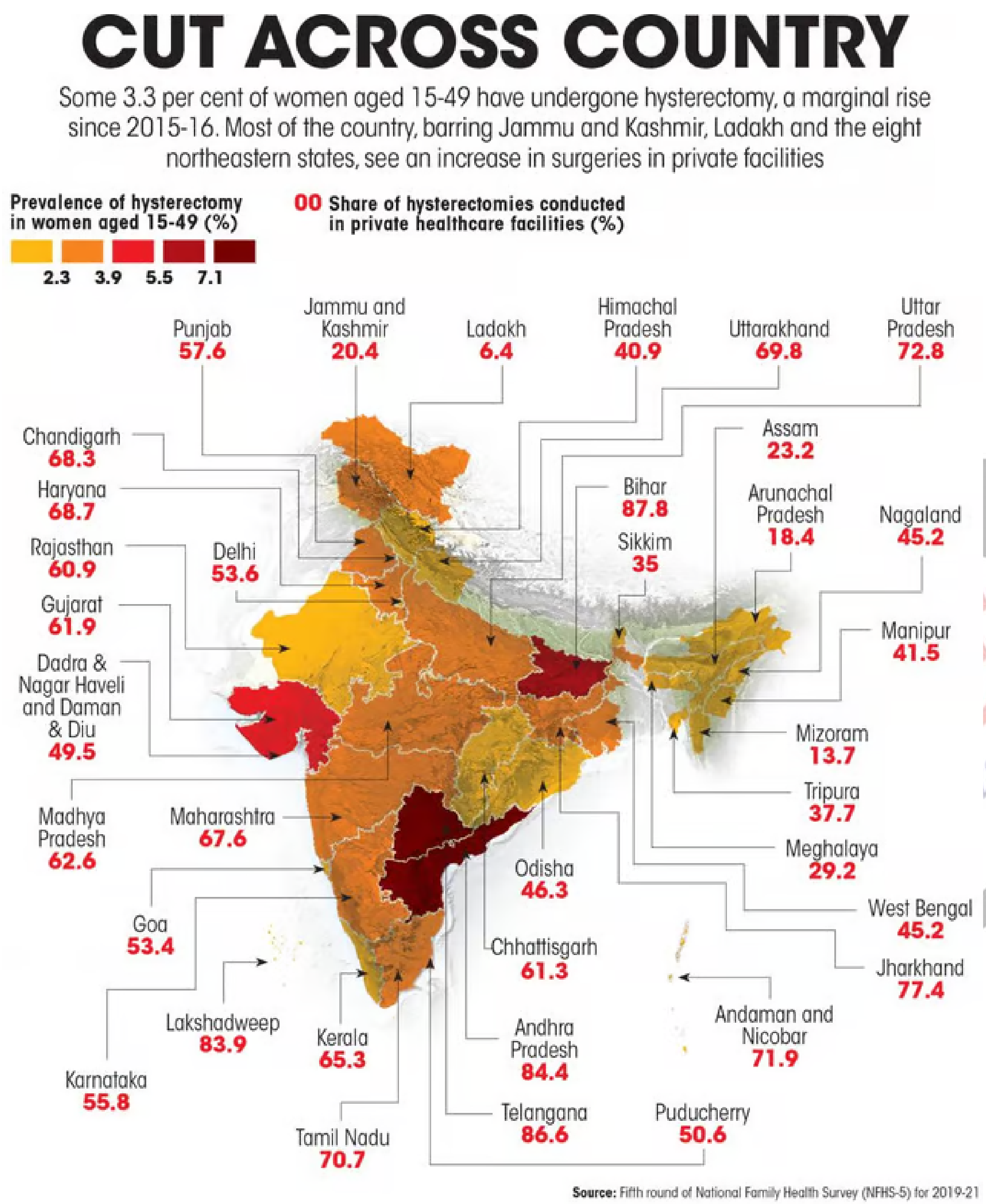

और पढ़ें...

[NFHS-5 राष्ट्रीय रिपोर्ट](), [हसि्टेरेक्टॉमी]()

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prevalence-of-hysterectomies-in-india